JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

MQ5UKQY

संकलित परीक्षा - I (2016-17)

हिन्दी 'अ'

कक्षा -IX

cps

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए-** 5

सूरज काले बादलों से धीरे-धीरे निकलने लगा था। जंगल में से गुजरने वाली नदी में खड़ा अर्ध्यदान में लीन एक संन्यासी मन ही मन सोच रहा था-हे ईश्वर ! तुम प्रकाशमान हो ! तुम ही धरती पर होने वाले अंधकार के संहारक हो । धरती का अंधेरा तुम नष्ट करते हो, परन्तु इस धरती पर होने वाले लोगों के मन के अंधेरे को तुम कब दूर करोगे ? उसे घट-घट में रमे राम के दर्शन कब होंगे ? हे दया निधान ! मुझे विश्वास है कि दुनिया को घेरने वाले अशांति के दावानल को सिर्फ तुम्हीं शांत कर पाओगे। शांति के विधान के लिए मैं अपना तप, सुख और स्वर्ग सब न्योछावर करने के लिए तैयार हूँ। कुछ भी करो, पर इस दुनिया में अमन एवं शांति का साम्राज्य फैला दो। मैं ऐसी सुन्दर दुनिया देखना चाहता हूँ, जहाँ सिंह की पीठ पर खरगोश खेलता हो, उकाब की गोद में साँप सोया हो और सभी जग एक हो।

(i) काले-काले बादलों से धीरे-धीरे निकलने लगा था :

(क) चाँद (ख) प्रकाश

(ग) सूरज (घ) अंधकार

(ii) अर्ध्यदान में लीन थे एक, :

(क) पुजारी (ख) गृहस्थी

(ग) आदमी (घ) संन्यासी

(iii) धरती पर फैला अंधेरा कौन नष्ट कर सकता है ?

(क) ईश्वर (ख) चाँद

(ग) प्रकाश (घ) बिजली

(iv) दावानल का अर्थ है :

(क) आग (ख) अग्नि

(ग) अशांति (घ) जंगल की आग

(v) संन्यासी शांति के लिए न्योछावर करने को तैयार है :

(क) तप और त्याग (ख) सुख एवं स्वर्ग

(ग) स्वर्ग और शांति (घ) तप, सुख और स्वर्ग

2 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है। जो सज्जन अपने को इस पद के योग्य समझें, वे वर्तमान दीवान सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह ज़रूरी नहीं कि

Download file : http://jsuniltutorial.weebly.com/ Page No.1

वे ग्रेजुएट हों मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। मंदाग्नि के मरीजों को यहाँ तक कष्ट उठाने की कोई ज़रूरत नहीं। एक महीने तक उम्मीद्वारों के रहन-सहन, आचार-विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंगे वे इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे। इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं ? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे।

(i) दूसरे दिन अखबार में विज्ञापन निकला देवगढ़ के लिए –
(क) सुयोग्य दीवान के लिए। (ख) सुयोग्य राजा के लिए।
(ग) सुयोग्य सहायक के लिए। (घ) सेनापति के लिए।

(ii) सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित होना था-
(क) सुयोग्य उम्मीदवारों को। (ख) अच्छे व्यक्तियों को।
(ग) सुयोग्य दीवानों को। (घ) महान सैनिकों को।

(iii) मंदाग्नि के मरीजों को सलाह दी गई-
(क) अवश्य ही उपस्थित होने की।
(ख) वहाँ तक न आने की।
(ग) यथासंभव उपस्थित होने की।
(घ) अपना इलाज कराने की।

(iv) दीवान पद के लिए विचार किया जाना था विद्या की अपेक्षा, –
(क) कर्तव्य पर।
(ख) योग्यता पर।
(ग) कर्तव्य और योग्यता पर।
(घ) धन की अधिक माँग पर।

(v) 'मुल्क' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-
(क) देश (ख) वतन
(ग) धरती (घ) राष्ट्र

3 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

हँस लो दो क्षण खुशी मिली,
वरना जीवन भर क्रंदन है।
किसका जीवन हँसी-खुशी में
इस दुनिया में रहकर बीता ?
सदा-सर्वदा संघर्षों को
इस दुनिया में किसने जीता ?
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता रोता चमन-चमन है।
कितने रोज चमकते तारे
कितने रह-रह गिर जाते हैं,
हँसता शशि भी छिप जाता है
जब सावन घन घिर आते हैं।
उगता-ढलता रहता सूरज
जिसका साक्षी नील गगन है।

Download file : http://jsuniltutorial.weebly.com/ Page No.2

(i) सांसारिक खुशी का स्वरूप होता है :
(क) क्षणिक । (ख) निरंतर और अविरल
(ग) रुक-रुक कर (घ) बाधाहीन

(ii) 'क्रंदन' का अर्थ हैं :
(क) रोना (ख) चीखना
(ग) चिल्लाना (घ) हँसना

(iii) प्रकृति का यह नियम है कि खिलता फूल समय पाकर हो जाता है :
(क) शुष्क (ख) म्लान
(ग) गंदा (घ) बिना पंखुड़ियों का

(iv) जब सावन के घन घिर आते हैं तो :
(क) शशि छिप जाता है। (ख) सूरज चमक उठता है।
(ग) बादल ढक जाता है। (घ) मेघ बरस उठते हैं।

(v) 'सूरज के उगने-ढलने' में निहित भाव है कि :
(क) सांसारिक जीवन संघर्षों से युक्त है।
(ख) मानव जीवन वेदना ग्रस्त है।
(ग) जीवन में दुख और सुख दोनों ही आते हैं।
(घ) मानव को रोना नहीं चाहिए।

4 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।** 5

मेरा धर्म न कुछ स्याही-शब्दों का एक गुलाम है,
मैं बस कहता हूँ कि प्यार है तो घट-घट में राम हैं,
मुझसे तुम न कहो मन्दिर-मस्जिद पर मैं सर टेक दूँ,
मेरा तो आराध्य आदमी देवालय हर दवार है।
कहीं रहे कसे भी, मुझको प्यारा यह इन्सान है,
मुझको अपनी मानवता पर बहुत-बहुत अभिमान है,
मुझे मिली है प्यास विषमता का विष पीने के लिये
मैं जन्मा हूँ नहीं स्वयं-हित, जग-हित जीने के लिये
मैं सिखलाता हूँ कि जियो और जीने दो संसार को,
जितना ज्यादा बाँट सको तुम बाँटो अपने प्यार को,
हँसो इस तरह, हँसे तुम्हारे साथ दलित यह धूल भी,
चलो इस तरह, कुचल न जाये पग से कोई शूल भी,
सुख न तुम्हारा सुख केवल जग में भी उसका भाग है,
फूल डाल का पीछे, पहले उपवन का शृंगार है।
कोई नहीं पराया, मेरा घर सारा संसार है।

(i) कवि का आराध्य और देवालय क्या है?
(क) महादेव, मन्दिर (ख) अल्लाह, मस्जिद
(ग) मानव, घर (घ) ईसा और चर्च

(ii) "हँसो इस तरह, हँसे तुम्हारे साथ दलित यह भूल भी।" पंक्ति का भावार्थ है :
(क) तुम्हारे हँसने के साथ धूल भी हँसे

(ख) जहाँ धूल उड़ रही हो वहाँ हँसना चाहिए
(ग) अपनी प्रसन्नता-खुशी में दलित वर्ग का भी साथ है
(घ) दलित धूल तुम्हारे साथ ही हँसती है

(iii) "कोई नहीं पराया, मेरा घर सारा संसार" पद्यांश की अन्तिम पंक्ति किस आर्य वचन की पुष्टि करती है :
(क) सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय
(ख) वसुधैव कुटुम्बकम्
(ग) आप भला तो जग भला
(घ) सबकी उन्नति में अपनी उन्नति है

(iv) मुझे मिली है प्यास विषमता का विष पीने के लिए। रेखांकित अंश में निहित अलंकार है :
(क) अनुप्रास (ख) यमक (ग) श्लेष (घ) उत्प्रेक्षा

(v) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक निम्नलिखित विकल्पों में से चुनिए :
(क) इन्सान का प्यार (ख) जीने दो संसार को
(ग) मानवता पर गर्व (घ) मनुष्यता

खण्ड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।**
(क) 'अधिकार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'अनु' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।
(ग) 'जेठानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(घ) 'आहट' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
(i) चक्रधर (ii) तिरंगा (iii) नीलकंठ

6 (i) **अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान कर उनके भेद लिखिए।** 4
(क) शायद आज पिताजी आएँगे।
(ख) अनिल रामचरितमानस पढ़ता है।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।**
(क) सुमित हँस रहा है। (इच्छावाचक)
(ख) सीता काम नहीं कर रही। (विधानवाचक)

7 **निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए।** 4
(क) बढ़त-बढ़त संपति सलिल; मन-सरोज बढ़ जाई।
(ख) मैया मैं तो चंद्र-खिलौना लैहों।
(ग) चरण-कमल बंदौ हरिराई।
(घ) रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।
पानी गए न उबरै, मोती मानुष चून।।

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक)

8 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2+2+1)** 5

जीवन-स्तर का यह बढ़ता अंतर आक्रोश और अशांति को जन्म दे रहा है। जैसे-जैसे दिखावे की यह संस्कृति फैलेगी, सामाजिक अशांति भी बढ़ेगी। हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो ही रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं।

(क) गद्यांश के अनुसार हमारी सामाजिक अशांति के पीछे कौन-कौन से कारण तथा संभावित परिणाम हैं ?
(ख) हम लक्ष्य-भ्रम से क्यों पीड़ित हैं ?
(ग) 'तात्कालिक लक्ष्य' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

Download file : http://jsuniltutorial.weebly.com/ Page No.4

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9a हीरा और मोती की गहरी मित्रता सिद्ध करने वाली दो घटनाओं का उल्लेख कीजिए। 2

9b 'कन्जुर' क्या है ? समझाइए कि लेखक को इनकी कितनी पोथियां मिलीं। 2

9c "सांवले सपनों की याद" पाठ में वर्णित वृन्दावन में कृष्ण की मुरली के प्रभाव को अपने शब्दों में लिखिए। 2

9d आलू की चिप्स, पीज़ा और बर्गर भारतीय संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं ? लेखक दुबे जी ने उसे क्या बताकर उसकी भर्त्सना की है? लिखिए। 2

9e उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर बताइए कि आज की बदलती संस्कृति में विज्ञापन का क्या महत्व है ? वर्तमान समय में लोग भौतिक सुखों को किस दृष्टिकोण से देखते हैं ? 2

10 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2+2+1)** 5

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाइ।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाइ।।

(क) हिंदु और मुसलमान ईश्वर को किस-किस नाम से पुकारते हैं ?

(ख) साखी में निहित भाव-गांभीर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कवि के अनुसार जीवित कौन है ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

11a "निरपख होइ कै हरि भजै, सोई संत सुजान" पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या सीख दी है? 2

11b कवयित्री ललद्यद का 'घर जाने की चाह' उक्ति से क्या तात्पर्य है? 2

11c "क्या लाती हो? संदेशा किसका है? कोकिल बोलो तो!" पंक्ति में कवि की किस परिस्थिति की कौन-सी पीड़ा प्रगट होती है? बताइए। 2

11d "मोहनी तानन सों" का अर्थ समझाइए कि मोहनी तान वाला कौन-सा वाद्य यंत्र था और गोपी किसके द्वारा छेड़ी गई मोहनी तान की चर्चा करती हैं? 2

11e ग्राम श्री पाठ के आधार पर लिखिए कि ढाक और पीपल के पत्ते क्यों झड़ रहे हैं? 2

12 मृदुला गर्ग की माताजी के स्वभाव तथा घर में उनके प्रति छोटे-बड़ों के व्यवहार पर प्रकाश डालिए तथा बताइए कि इस परिवार में ऐसी कौन-सी विशेषता थी जो आपको प्रेरित और सर्वाधिक प्रभावित करती है? 5

खण्ड-ध (लेखन)

दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

13 आधुनिक गाँव 10

- भूमिका
- विकास का केंद्र
- ग्रामीणों की कठिनाइयाँ
- आज के गाँव
- उपसंहार

अथवा

महात्मा गाँधी 10

- भूमिका
- संक्षिप्त जीवनी
- प्रेरक बिंदु
- शिक्षाएँ

JSUNIL TUTORIAL

- उपसंहार

अथवा

हमारा प्रिय नेता 10

- भूमिका
- नेता का परिचय
- प्रिय क्यों?
- जन्म एवं प्रारम्भिक शिक्षा
- समाज और देश के लिए कार्य
- अनुकरणीय बातें
- उपसंहार

14 इंग्लैंड निवासी अपनी मित्र/सहेली को भारत की ऋतुओं के बारे में जानकारी देते हुए पत्र लिखिए। 5

15 किसी अखबार में प्रकाशित करने के लिए अपने विद्यालय के पुरस्कार वितरण समारोह का प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5

-o0o0o0o-

JSUNIL TUTORIAL